(Pages : 3) **K – 4723**

Reg. No. : .....

Name : .....

Third Semester M.A. Degree Examination, February 2021

Hindi

HL 232 – PROSE : ESSAY AND OTHER PROSE FORMS

(2015 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

gcwcentrallibrary.in

I. सही उत्तर लिखिए।

1. 'निबन्ध निदर्श' शीर्षक रचना के संपादक कौन है?

   (एन. ई. विश्वनाथ अय्यर, एन. रामन नायर, एम. एस. जयमोहन, वासुदेवन पिल्लै)

2. 'कुटज' का लेखक कौन है?

   (नन्द दुलारे वाजपेइ, अशोक वाजपेइ, विजयदेव नारायण साही, हज़ारी प्रसाद द्विवेदी)

3. निर्मल वर्मा द्वारा रचित निबन्ध का नाम इस में कौन सा है?

   (कुटज, साहित्य में प्रसंगिकता का प्रश्न, एक अजायब घर, फूल और काँटे)

4. भारत के अतीत के वैभव एवं वर्तमान दुरवस्था का भावात्मक चित्रण किस रचना में हज़ारी प्रसाद ने किया है?

   (हिन्दुस्तान, हिन्दी प्रदीप, हिन्दुस्थान, गतिशील चिन्तनत)

5. कुटज किसका प्रतीक है?

   (सहनशीलता का, कर्णण्यता का, अजेयता का, अपराजेय जीवनी शक्ति का)

P.T.O.

6. इनमें से महादेवी वर्मा के निबन्ध का नाम क्या है?

(श्रृंखला की कडियाँ, छितवन की छाँह, विचार और वितर्क, कला का जोखिम)

7. विश्वनाथ अय्यर का 'शहर सो रहा है' – शीर्षक ललित निबन्ध का प्रकाशन कब हुआ?

(1991, 1994, 1984, 1975)

8. महाजनी सभ्यता शीर्षक निबन्ध का लेखक कौन है?

(महादेवी वर्मा, नन्दुदुलारे वाजपेइ, हरिशंकर परसाई, प्रेचमन्द)

9. पाण्डेय बच्चन शर्मा उग्र कृत निबन्ध इन में कौन-सा है?

(राजा भोज का सपना, धरती और धान, राजनीति का बंटवारा, प्रथम भेंट अन्तिम भेंट)

10. राजनीति का बँटवारा किस विधा की रचना है?

(ललित निबन्ध, जीवनी, रेखाचित्र, व्यंग्य)

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

11. 'कुटज' का प्रतिपाद्य विषय क्या है?

12. हिन्दी के ललित निबन्धकार।

13. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की गद्य शैली।

14. 'साहित्य में प्रासंगिकता का प्रश्न' – निबन्ध का उद्देश्य क्या है?

15. नन्ददुलारे वाजपेइ के हिन्दी निबन्ध।

16. 'राजा भोज का सपना' – रचना का कथ्य।

(4 × 5 = 20 Marks)

gcwcentrallibrary.in

III. किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर लिखिए

17. हिन्दी सँस्मरण और रेखाचित्र के क्षेत्र में महादेवी वर्मा का योगदान पर लेख लिखिए।

18. 'कुटज' निबन्ध की भाषा शैली की विशेषतायें बताते हुए हज़ारी प्रसाद द्विवेदी की लेखन-कला पर निबन्ध लिखिए।

19. हिन्दी निबन्ध-लेखन की इतिहास-यात्रा पर एक लेख लिखिए।

20. महाजनी सभ्यता का सारांश लिखिए।

(2 × 10 = 20 Marks)

IV. किन्हीं पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

21. धन-लोभ ने मानव भावों को पूर्ण से अपने अधीन कर लिया है। कुलीनता और शराफत, गुण और कमाल की कसौटी पैसा और केवल पैसा है।

22. पर इज्जत तो नसीब की बात है। रहीम को मैं बडे आदर के साथ स्मरण करता हूँ दरियादिल आदमी थे। पाया सो लुटाया।

23. हमारा अन्तकरण भी इस बात पर गवाही देता है कि ईश्वर अन्याय कभी नहीं करेगा जो जैसा करेगा वैसा ही उस से उसका बदला पावेगा।

24. साहित्य में प्रासंगिकता की कसौटी बाह्य 'सामाजिक परिस्थितियों' में नहीं, कहीं अन्यत्र ढूँढ़नी होगी।

25. बार-बार मन को समझाने की कोशिश करता, लड़की दिल्ली विश्वविद्यालय के एक कॉलेज में पढ़ाती है, लडका संकट-बोध की कविता लिखता है, पर लडकी का ख्याल आते ही दुश्चिंता होती, गली में जाने कैसे तत्व रहते हैं।

26. मतलब यही कि हमारे गाँव-गँवई के लोग जो कहावत बनाते थे, उनमें हाई-टेक की सूचनायें भले ही न रहती रही हो, उनमें एक बुद्धिमानी ज़रूर रहती थी।

27. कुटज क्या केवल जी रहा है? वह दूसरे के द्वार पर भीख माँगने नहीं जाता, कोई निकट आ गया तो भय के मारे अँधमरा नहीं हो जाता ----।

28. असाध्य को साध्य बनाने में, चुनौती को खुशी से स्वीकार करने में और रेगिस्तान में भी हरियाली बसाने मेंही पुरुषार्थ बसा है।

(5 × 5 = 25 Marks)

gcwcentrallibrary.in